

रेल दावा अधिकरण, नागपुर पीठ, नागपुर के समक्ष

कोरम: श्री राजीव जैन, माननीय सदस्य (न्यायिक) रेल दावा अधिकरण, नागपुर
श्री सैयद निशात अलि, माननीय सदस्य (तकनीकी) रेल दावा अधिकरण, नागपुर

दावा आवेदन संख्या - ओए (II यू)/ एनजीपी/80/2024

दावा दर्ज करने की तिथि - 20.06.2024

निर्णय तिथि - 14.02.2025

- वादी :
1. घनश्याम सुपुत्र जगन्नाथ रविदास
उम्र 39 वर्ष, व्यवसाय- निजी नौकरी
 2. रामनारायण सुपुत्र जगन्नाथ रविदास
उम्र 36 वर्ष, व्यवसाय- निजी नौकरी
 3. रामभवन सुपुत्र जगन्नाथ रविदास
उम्र 23 वर्ष, व्यवसाय- शिक्षा
सभी निवासी- महाकाली कॉलोरी सं.01,
अष्टभुजा वार्ड, वीटीसी, बाबुपेठ, पोस्ट-जुनोना
जिला - चंद्रपुर, महाराष्ट्र - 442403
 4. गुड्डी सुपुत्री जगन्नाथ रविदास
उम्र 36 वर्ष, व्यवसाय- कुछ नहीं
निवासी- तिवारीपुरा, बलिया,
उत्तरप्रदेश

बनाम

प्रतिवादी: भारत संघ
द्वारा महाप्रबंधक,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर

आवेदक की ओर से एडवोकेट पी. नौकरकर
प्रतिवादी की ओर से एडवोकेट एन. लाटी

निर्णय

दिनांक 14 फरवरी 2025 को नागपुर में पारित

दावे की राशि रु.8,00,000/- + ब्याज

द्वारा श्री राजीव जैन, माननीय सदस्य (न्यायिक)

आवेदकों ने यह दावा जगन्नाथ सुपुत्र भरत रविदास की अनपेक्षित दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के कारण मृतक के पुत्रों और पुत्री का मृतक पर आश्रित होने के नाते प्रतिवादी रेलवे के विरुद्ध रेल दावा

अधिकरण अधिनियम की धारा 16 के तहत इस अधिकरण में मामला दाखिल किया है और प्रतिवादी रेलवे से रु.8,00,000/- के मुआवजे की मांग की है।

1. दावा आवेदन के अनुसार दुर्घटना के मुख्य अंश :-

- क. दुर्घटना की तिथि : 24.06.2023
- ख. मृतक का नाम एवं उम्र : जगन्नाथ सुपुत्र भरत रविदास, उम्र 70 वर्ष
- ग. ट्रेन एवं यात्रा का विवरण : दिनांक 24.06.2023 को मृतक चांदाफोर्ट से मारोड़ा की यात्रा 08805 चांदाफोर्ट-गोंदिया पैसेंजर ट्रेन से कर रहा था।
- घ. टिकट का विवरण : मृतक ने चांदाफोर्ट से मारोड़ा तक की यात्रा हेतु अनारक्षित टिकट सं. AXA 55354973 रु 30/- खरीद किया था जिसे दावा आवेदन के साथ (एक्जीबीट ए-1) पर दाखिल किया गया है।
- ङ. संक्षिप्त में घटना का विवरण : दिनांक 24.06.2023 को मृतक ट्रेन सं. 08805 चांदाफोर्ट-गोंदिया पैसेंजर से चांदाफोर्ट से मारोड़ा तक की यात्रा अनारक्षित यात्रा टिकट खरीदकर कर रहा था। मृतक के ट्रेन में चढ़ते समय ट्रेन अचानक जोर के झटके के साथ चलने लगी जिसके कारण मृतक चांदाफोर्ट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 01 पर इलेक्ट्रिक पोल सं. 1240/7 पर गिर गया और प्लेटफार्म की गैप और ट्रेन के बीच गिरकर गंभीर रूप से जखमी हो गया। स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ स्टाफ ने उसे चंद्रपुर के मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती किया जहां पर इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।
- च. अधिकरण का क्षेत्राधिकार : दुर्घटना स्थल अधिकरण के क्षेत्राधिकार में आता है।

2. प्रतिवादी रेलवे के जवाब के मुख्य अंश :

- अ. प्रतिवादी रेलवे ने लिखित कथन में दावा आवेदन के सभी तथ्यों एवं अनपेक्षित दुर्घटना को मानने से इंकार किया और कहा कि मृतक ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया जिसके कारण वह दुर्घटना का शिकार हुआ। वह स्वयं की लापरवाही के कारण चलती ट्रेन से गिरा था। यह मामला मृतक का स्वयं अधिरोपित चोट और आपराधिक कृत्य के अंतर्गत आता है जो रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 124-A (b) और (c) के अंतर्गत आता है। अतः प्रतिवादी रेलवे आवेदकों को मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है।

- ब. डीआरएम रिपोर्ट का सार :- डीआरएम रिपोर्ट के निष्कर्ष के अनुसार मृतक जगन्नाथ रविदास अपनी लापरवाही से गाडी सं. 08805 अप चांदाफोर्ट- गोंदिया मेमो लोकल में चलती गाडी में चढ़ने के प्रयास के दौरान गिरकर घायल हो गया और सरकारी अस्पताल/ चंद्रपुर में उपचार के

दौरान उसकी मृत्यु हो गई। जिसमें उसकी स्वयं की लापरवाही है जो रेलवे अधिनियम की धारा 124 (क) की उपधारा (ख) के तहत स्वयं को पहुंचाई गई क्षति के अंतर्गत आती है। इस घटना में रेलवे प्रशासन की कोई गलती नहीं है। अतः रेल प्रशासन मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है।

- स. ट्रायल के दौरान किए गए प्रतिवाद या डीआरएम रिपोर्ट से भिन्न तथ्य :- कुछ नहीं
3. मिसाल के तौर पर प्रस्तुत किए गए मामले एवं उनका अंश :-
4. प्रस्तुत की गई गवाही का विवरण:- आवेदक घनश्याम सुपुत्र जगन्नाथ रविदास की गवाही दिनांक 08.01.2025 को ए.डब्ल्यू-1 के तौर पर पेश की गई और ए-1 से ए-16 तक दस्तावेज दाखिल किए गए एवं अधिकरण के समक्ष एफिडेविट दाखिल किया गया। अधिकरण के समक्ष अपनी गवाही में उसने बताया कि मृतक उसके पिता थे और डब्ल्यूसीएल से रिटायर्ड हो गए थे। उसकी माता का देहांत दिनांक 06.06.2016 को हो गया था। उक्त घटना दिनांक 24.06.2023 को हुई थी। वह मृतक के साथ यात्रा नहीं कर रहा था। उसने मृतक को टिकट खरीदते हुए नहीं देखा था। घटना के दिन वह उत्तरप्रदेश से वापस आ रहा था और ट्रेन में था। उसने मृतक की डेड बॉडी दिनांक 25.06.2023 को देखी थी। अधिकरण में दाखिल अपने एफिडेविट में घनश्याम सुपुत्र जगन्नाथ रविदास ने बताया कि उसके पिता मृतक जगन्नाथ रविदास ने चांदाफोर्ट जंक्शन से चांदाफोर्ट से मारोडा की यात्रा हेतु टिकट सं. AXA 55354973 दिनांक 24.06.2023 खरीद की। जब वह ट्रेन सं. 08805 चांदाफोर्ट-गोंदिया पैसेंजर में यात्रा करने हेतु चढ़ रहा था उसी समय ट्रेन जोर के झटके के साथ चलने लगी जिसके कारण मृतक का पैर फिसल गया और वह प्लेटफार्म सं. 01 और ट्रेन की गैप में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उक्त घटना चांदाफोर्ट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 01 पर इलेक्ट्रीक पोल सं. 1240/7 पर हुई थी। घटना के पश्चात ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ स्टाफ ने उन्हें चंद्रपुर मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती किया जहां इलाज के दौरान दिनांक 24.02.2023 को उनकी मृत्यु हो गई।
5. निर्धारित किए गए मुद्दे एवं मुद्दों पर विचार कर लिया गया निर्णय –
दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर निर्धारित किए गए मुद्दे:-
- मुद्दा क्र.1 क्या आवेदक रेल अधिनियम की धारा 123 (बी) के अनुसार मृतक के आश्रित हैं ?
6. रिकार्ड पर दाखिल किए गए रजिस्ट्रार (जन्म व मृत्यु) जिला अस्पताल, चंद्रपुर द्वारा जारी मृतक का मृत्यु प्रमाणपत्र (एकजीबीट ए-12) तथा आवेदक क्र.01, 02 और 03 के आधार कार्ड (एकजीबीट ए-6, ए-08 और ए-10) और आवेदिका क्र. 04 का रिकार्ड पर दाखिल आधार कार्ड एवं तहसीलदार चंद्रपुर द्वारा जारी राशनकार्ड (एकजीबीट ए-14) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि आवेदक क्र. 01, 02 और 03 मृतक के पुत्र और आवेदिका क्र.04 मृतक की पुत्री है।

आवेदक क्र.	नाम	मृतक के साथ रिश्ता
01	घनश्याम जगन्नाथ रविदास	पुत्र
02	रामनारायण जगन्नाथ रविदास	पुत्र

03	रामभवन जगन्नाथ रविदास	पुत्र
04	गुड्डी जगन्नाथ रविदास	पुत्री

7. मृतक की पत्नी की मृत्यु दिनांक 06.06.2016 को हो चुकी है और उनका मृत्यु प्रमाणपत्र रिकार्ड पर (एक्जीबीट ए-15) पर दाखिल किया गया है। कार्यवाही के दौरान किसी अन्य व्यक्ति ने मृतक के आश्रित के रूप में दावा नहीं किया। प्रतिवादी ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जिससे यह स्थापित हो सके कि आवेदक मृतक पर आश्रित नहीं हैं। तदनुसार इस मुद्दे का निर्धारण किया जाता है कि आवेदकगण मृतक के आश्रित हैं।

मुद्दा क्र. 2 क्या मृतक संबंधित तिथि को वैध यात्रा टिकट के साथ कथित ट्रेन का सद्भाविक यात्री था ?

8. दावा आवेदन के अनुसार दिनांक 24.06.2023 को मृतक चांदाफोर्ट से मारोड़ा की यात्रा पैसेंजर ट्रेन सं. 08805 चांदाफोर्ट-गोंदिया से कर रहा था। यात्रा हेतु उसने अनारक्षित टिकट सं. AXA 55354973 रु 30/- खरीद किया था जिसे दावा आवेदन के साथ (एक्जीबीट ए-1) पर दाखिल किया गया है।
9. प्रतिवादी रेलवे ने आवेदकों द्वारा दाखिल उक्त अनारक्षित रेल यात्रा टिकट को मृतक द्वारा खरीद किया गया वैध टिकट मानने से इंकार किया।
10. उक्त घटना की जांच के दौरान रेलवे पुलिस चौकी/नागभीड़ द्वारा बनाए गए मृतक के इनक्वेस्ट पंचनामा (एक्जीबीट ए-4) में मृतक की जांच के दौरान चांदाफोर्ट से मारोड़ा (PH) की यात्रा का रेल यात्रा टिकट सं. 55354973 बरामद होना उल्लेखित है।
11. उक्त टिकट का सत्यापन मुख्य वाणिज्य लिपिक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, चांदाफोर्ट द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने सत्यापित किया कि टिकट सं. AXA 55354973 चांदाफोर्ट बुकिंग कार्यालय से जारी किया गया था। रेलवे सुरक्षा बल/ नागभीड़ द्वारा बनाई गई DETAILED ACCIDENT REPORT में भी मृतक के पास से रेल यात्रा टिकट AXA 55354973 जन्त होना उल्लिखित है। प्रतिवादी रेलवे यह साबित नहीं कर पाया कि रिकार्ड पर दाखिल उक्त टिकट मृतक की नहीं है या उक्त टिकट पर मृतक यात्रा नहीं कर रहा था। उपरोक्त तथ्यों से यह मानना होगा कि मृतक वैध यात्रा टिकट के साथ सद्भाविक यात्री के नाते से यात्रा कर रहा था। तदनुसार इस मुद्दे का निर्धारण आवेदकों के पक्ष में किया जाता है।

मुद्दा क्र.3 क्या मृतक की मृत्यु रेल अधिनियम की धारा 124-ए (धारा 123 (सी) के साथ पठित) के अनुसार दावा आवेदन में अभिकथित अनपेक्षित दुर्घटना की वजह से हुई?

12. दावा आवेदन के अनुसार दिनांक 24.06.2023 को मृतक ट्रेन सं. 08805 चांदाफोर्ट-गोंदिया पैसेंजर से चांदाफोर्ट से मारोड़ा तक की यात्रा अनारक्षित टिकट खरीदकर कर रहा था। मृतक के ट्रेन में चढ़ते समय ट्रेन अचानक जोर के झटके के साथ चलने लगी जिसके कारण मृतक

चांदाफोर्ट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 01 पर इलेक्ट्रिक पोल सं. 1240/7 पर गिर गया और प्लेटफार्म की गैप और ट्रेन के बीच गिरकर गंभीर रूप से जखमी हो गया। स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ स्टाफ ने उसे चंद्रपुर के मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती किया जहां पर इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

13. प्रतिवादी रेलवे ने कहा कि घटना तिथि को मृतक ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया जिसके कारण वह दुर्घटना का शिकार हुआ। वह स्वयं की लापरवाही के कारण चलती ट्रेन से गिरा था। यह मामला मृतक का स्वयं अधिरोपित चोट और आपराधिक कृत्य के अंतर्गत आता है। अतः प्रतिवादी रेलवे आवेदकों को मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। परंतु प्रतिवादी रेलवे के इस प्रतिवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
14. घटना के पश्चात जीआरपी / नागभीड ने अकस्मात मृत्यु खबरी (एक्जीबीट ए-2), घटना स्थल पंचनामा (एक्जीबीट ए-3) और मरणोत्तर पंचनामा (एक्जीबीट ए-4) बनाया गया। घटना स्थल पंचनामा और मरणोत्तर पंचनामा में उल्लेखित है कि उक्त घटना चांदाफोर्ट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं.01 पर रेलवे लाईन क्रमांक 01 पर इलेक्ट्रिक पोल क्रमांक 1240/7 पर घटित हुई। मरणोत्तर पंचनामा में पंचों की राय के अनुसार मृतक चलती ट्रेन से गिर जाने के कारण गंभीर रूप से जखमी हो गया था तथा इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई।
15. इस घटना के जांच के दौरान श्री अरुण रितेश नगराले/ स्टेशन मास्टर चांदाफोर्ट ने अपने बयान में बताया कि दिनांक 24.06.2023 को उनकी ड्यूटी स्टेशन मास्टर की हैसियत से चांदाफोर्ट रेलवे स्टेशन पर थी। इस दौरान गाड़ी सं. 08805 चांदाफोर्ट - गोंदिया मेमु लोकल समय 10.45 बजे स्टेशन से रवाना होने के पश्चात एक अनजान व्यक्ति चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में नीचे गिर गया। घटना के पश्चात तुरंत आरपीएफ स्टाफ घटना स्थल किमी सं. 1240/8-9 पर पहुंचे। तकरीबन 10.50 बजे एम्बुलेंस को फोन किया और आरपीएफ और अन्य यात्रियों की मदद से उसे स्ट्रेचर पर स्टेशन लाया। उसकी उम्र लगभग 60 से 65 वर्ष लग रही थी। तकरीबन 11.20 बजे एम्बुलेंस आने पर 02 आरपीएफ स्टाफ के साथ उपचार हेतु गवर्नमेंट हॉस्पिटल चंद्रपुर के लिए रवाना किया।
16. डीआरएम रिपोर्ट के साथ संलग्न फोटो में भी मृतक रेलवे ट्रैक और प्लेटफार्म के बीच गिरा हुआ पाया गया है।
17. उपरोक्त तथ्यों से यह साबित होता है कि यह घटना रेलवे स्टेशन परिसर में हुई है इसलिए रेलवे अपनी स्ट्रीक्ट लाइबिलिटी से बच नहीं सकती। यदि कोई अधिकृत यात्री यात्रा के दौरान चलती ट्रेन से स्टेशन पर या मिड सेक्शन में गिरकर जखमी होकर मृत या घायल हो जाए तो इसे अनपेक्षित दुर्घटना ही माना जाएगा। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सिविल अपील सं. 4945/2018 (Special Leave Petition (Civil) No.10223 @ D.No.6059/2018) भारत संघ बनाम रीना देवी में दिनांक 09 मई 2018 को पारित आदेश एवं दिशानिर्देश के तहत चलती गाड़ी में चढ़ते समय या उतरते समय घटित घटना को अनपेक्षित दुर्घटना माना गया है।

18. माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा भी सिविल अपील सं. 4945/2018 भारत संघ बनाम रीना देवी के मामले में पैरा 16.6 में यह माना है कि

"Accordingly, we hold that death or injury in the course of boarding or de-boarding a train will be an 'untoward incident' entitling a victim to the compensation and will not fall under the proviso to Section 124A merely on the plea of negligence of the victim as a contributing factor."

माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा उपरोक्त दर्शाए गए रीना देवी के मामले के पैरा 16.1 में यह भी उल्लेख किया गया है कि -

".....In *Prabhakaran Vijaya Kumar (supra)* it was held that Section 124A lays down strict liability or no fault liability in case of railway accidents. Where principle of strict liability applies, proof of negligence is not required."

19. पत्रावली पर ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है जिससे यह साबित हो कि मृतक की मृत्यु यात्रा के दौरान ट्रेन से गिरने में नहीं हुई थी। अतः उपलब्ध दस्तावेज एवं साक्ष्य के आधार पर यह निर्णीत किया जाता है कि मृतक की मृत्यु यात्रा के दौरान ट्रेन से गिरकर हुई है। अतः मृतक की मृत्यु रेल अधिनियम की धारा 124-ए (धारा 123 (सी)) में अभिकथित अनपेक्षित दुर्घटना के अंतर्गत आती है। प्रतिवादी रेलवे, आवेदकों को मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी है। अतः यह मुद्दा आवेदकों के पक्ष में उत्तरित किया जाता है।

मुद्दा क्र.4 राहत ?

20. मुद्दा क्रमांक 2 और 3 आवेदकों के पक्ष में उत्तरित होने के कारण यह माना जा सकता है कि मृतक ट्रेन का सद्भाविक यात्री था और अनपेक्षित दुर्घटना में मृत हुआ था। आवेदक मुआवजा प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः इस मामले में निम्न आदेश पारित किया जाता है:-

आदेश

21. यह दावा आवेदकों के पक्ष में निर्णीत किया जाता है। प्रतिवादी रेलवे द्वारा आवेदकों को रु.8,00,000/- (रु. आठ लाख मात्र) का मुआवजा देने का आदेश दिया जाता है। आवेदकों को दुर्घटना की तिथि से भुगतान की तिथि तक मुआवजा राशि पर 9% साधारण ब्याज की दर से ब्याज भी प्रदान किया जाता है। मुआवजा राशि का वितरण निम्नानुसार है -

आवेदक का नाम	मुआवजा राशि	मुआवजा राशि का वितरण	
		नकद राशि	एन्यूटी राशि / सावधि जमा राशि
घनश्याम जगन्नाथ रविदास	2,00,000/-	20,000/- + ब्याज	1,80,000/-
रामनारायण जगन्नाथ रविदास	2,00,000/-	20,000/- + ब्याज	1,80,000/-
रामभवन जगन्नाथ रविदास	2,00,000/-	20,000/- + ब्याज	1,80,000/-
गुड्डा जगन्नाथ रविदास	2,00,000/-	20,000/- + ब्याज	1,80,000/-

22. जहाँ तक मुआवजे की राशि के वितरण का प्रश्न है, गीता देवी बनाम भारत संघ (एफ.ए.ओ. 22/2015 एवं सीएमए 4501/2015) दिनांक 24 मई, 2019, मामले में माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली द्वारा निम्न बातों पर गौर कर आदेश पारित किया गया –

5. As Regards Amendment to the Railway Accidents and Untoward Incidents (Compensation) Rules, 1990

1.1 Many of the claimants are drawn from rural areas with low levels of literacy and lower levels of making appropriate decision for the use of amounts guaranteed under the awards. There are several instances of their exploitation by middlemen and touts operating in the field. The scope for such exploitation is itself one of the incentives for fomenting bogus claims, fabricated documents and duplicate claims in different Benches of the Tribunal for the same cause of action. The availability of bulk funds in the name of an ill-informed claimant is also a cause for exploitation. A scheme for protection of the amount due to such a claimant is the need of the hour. Earlier, this Court has involved 21 Nationalised Banks in dialogue to evolve a scheme of annuities for disbursement of claims. They have been ordered already to be implemented in this case, vide directions passed on 22nd February, 2019. This scheme as applied to motor accident claims has been approved by the Supreme Court in its order dated 05th March, 2019 in Krishnamurthi v New India Insurance Company, SLP (C) No.31521-31522 OF 2017. A statutory rule backing will, therefore, best serve the interest of litigant.....”

23. माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली द्वारा पारित किए गए आदेश के अनुपालन में भारत सरकार ने दिनांक 3 जून 2020 को अधिसूचना क्र.जीएसआर (ई) 347 जारी करते हुए रेलवे दुर्घटना एवं अनपेक्षित दुर्घटना (मुआवजा) नियम 1990 के नियम 5 को संशोधित किया जो निम्नानुसार है:-

“5. Mode of Payment -

5.1 The Tribunal may, in order to protect the sum awarded to the claimant, having due regard to the illiteracy or other disabling factors impairing the judicious use of such sum, issue directions for disbursing the award in terms of annuities, fixed deposits or other suitable mode as shall subserve justice.

5.2 If any of the claimants is a minor or person of unsound mind, the Tribunal may give liberty to the guardian ad litem to use the interest accruals on the deposit that shall be made during the minority for maintenance.

5.3 Nothing in this rule shall limit the power of the Tribunal to make modifications of the mode of disbursement for reasons to be stated in writing depending on the exigencies requiring liquidation of any corpus created for annuity or premature closure of fixed deposit, for the benefit of the claimant.

5.4 The orders dated 21st April, 2017, 24th May, 2019 and 06th November, 2019 of Hon'ble High Court of Delhi in FAO No. 22/2015 and CM Application No. 4501/2015 in Geeta Devi Vs Union of India, relating to disbursement of compensation shall be read as part of this rule.

24. अतः दिनांक 03 जून 2020 के नोटिफिकेशन के अंतर्गत संशोधित रेलवे दुर्घटना एवं अनपेक्षित दुर्घटना (मुआवजा) नियम 1990 के नियम 5 के अनुपालन के अनुसार वर्तमान केस में मुआवजा राशि का वितरण निम्नानुसार किया जाता है:-

25. आवेदक क्र.01, 02, 03 और 04 प्रत्येक को प्रदान की गई मुआवजा राशि में से 10% अर्थात् रु. 20,000/- एवं आनुपातिक ब्याज की राशि को उनके बचत बैंक खाते में ईसीएस / एनईएफटी के माध्यम से जमा की जाएगी। आवेदक क्र.01,02, 03 और 04 प्रत्येक की शेष मुआवजा राशि रु. 1,80,000/- (एक लाख अस्सी हजार मात्र) को रु. 5,000/- की 36 (छत्तीस) समान भागों में एफ.डी. में विभाजित कर 01 से 36 माह की अवधि के लिए बढ़ते क्रम में निवेश किया जाएगा। बैंक द्वारा प्रतिमाह एक मासिक जमा राशि + ब्याज की एक एफ.डी. को क्रमानुसार आवेदक क्र.01,02, 03 और 04 प्रत्येक के बैंक खाते में अंतिम एफ.डी. के भुगतान तक जमा कर भुगतान किया जाएगा। इस तरह आवेदक क्र.01, 02, 03 और 04 को उनके मासिक खर्च हेतु मुआवजा राशि की एक एफ.डी. की ब्याज सहित परिपक्वता राशि (Amount of Maturity, including interest) अंतिम एफ.डी. के भुगतान तक प्रतिमाह प्राप्त होती रहेगी।
26. प्रतिवादी रेलवे को निर्देश दिया जाता है कि वह ब्याज सहित मुआवजा राशि को अपर निबंधक द्वारा संचालित रेल दावा अधिकरण, नागपुर के स्युटर मनी (Suitors Money) एकाउंट में इस आदेश की तिथि से 60 दिनों के भीतर जमा करे। यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रतिवादी रेलवे ब्याज सहित मुआवजा राशि को जमा करते समय भुगतान का पूर्ण विवरण जैसे यू.टी.आर नंबर, ब्याज की गणना सहित प्रत्येक आवेदक के मुआवजा राशि का हिस्सा इत्यादि की सूचना पंजीकृत डाक से आवेदकों को देगा एवं इसकी एक प्रति अपर निबंधक और आवेदकों के अधिवक्ता को भी देगा।
27. आवेदकों को यह निर्देश दिया जाता है कि वह अपने निवास स्थान के निकट स्थित राष्ट्रीयकृत बैंक के खाते का विवरण इस अधिकरण के अपर निबंधक के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें।
28. यदि आवेदक टीडीएस कटौती की छूट के हकदार हैं तो वह फार्म 15-जी या फार्म 15-एच (वरिष्ठ नागरिक) को इस आदेश की तिथि से 15 दिनों के भीतर प्रस्तुतकर्ता अधिकारी के समक्ष जमा करें एवं इस स्थिति में मुआवजा राशि से किसी भी प्रकार के टीडीएस की कटौती नहीं की जाएगी।
29. जीएसआर 347 (ई) दिनांक 03 जून 2020 के अनुसार संशोधित रेलवे दुर्घटना एवं अनपेक्षित दुर्घटना (मुआवजा) नियम 1990 के नियम 5.4.4 के अनुपालन हेतु सावधि जमा के लिए निम्नलिखित शर्तों का पालन किया जाए:-
- I. आवेदकों के बचत खाते या सावधि जमा खाते पर बैंक किसी भी संयुक्त खाते की अनुमति नहीं देगा।
 - II. इस अधिकरण की अनुमति के बिना आवेदकों की सावधि जमा पर किसी भी प्रकार का लोन, अग्रिम, समय पूर्व भुगतान नहीं होगा।

- III. बैंक आवेदकों को किसी भी प्रकार की चेक बुक या डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड जारी नहीं करेगा। यद्यपि चेक बुक या डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड पहले से जारी किया गया हो तो मुआवजा राशि के भुगतान के पूर्व उसे निरस्त करेगा।
- IV. बैंक आवेदकों की पासबुक पर यह प्रविष्टि करेगा कि आवेदकों को चेक बुक या डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड जारी नहीं किए गए हैं और अधिकरण की अनुमति के बिना जारी नहीं किए जाएंगे। आवेदकों उक्त प्रविष्टि के साथ बैंक की पासबुक इस अधिकरण के अपर निबंधक के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।
30. उपरोक्त आदेशानुसार इस दावे को मंजूर किया जाता है। तथापि, लागत के संबंध में कोई आदेश नहीं दिया जाता है।
31. दिनांक 14.02.2025 को खुले कोर्ट में अधिघोषित किया गया।
32. दावा फाईल अभिलेख विभाग को सुपुर्द की जाए।

(सैयद निशात अलि)
सदस्य (तकनीकी)

(राजीव जैन)
सदस्य (न्यायिक)

नागपुर.
दिनांक: 14.02.2025
SK#